अध्याय 2

लेखापरीक्षा पद्धति

लेखापरीक्षा पद्धति

2 अध्याय

2.1 लेखापरीक्षा के उद्देश्य

निष्पादन लेखापरीक्षा यह आँकने हेतु प्रारंभ की गई थी कि क्याः–

- कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु अपेक्षित नीतिगत पहल व योजना उपयुक्त व पर्याप्त थीं।
- निधियों को दिशा–निर्देशों के अनुसार निर्गत किया गया था तथा क्या वह कार्य की प्रगति के अनुरूप थीं।
- परियोजनाओं का कार्यान्वयन दक्ष एवं प्रभावी रूप से हुआ था; तथा
- परियोजना की निगरानी एवं मूल्यांकन हेतु तंत्र पर्याप्त था और क्या गुणवत्ता एवं समयसीमा के अनुपालन को सुनिश्चित किया गया था।

2.2. लेखापरीक्षा कार्यक्षेत्र व नमूना

निष्पादन लेखापरीक्षा में आर–ए पी डी आर पी योजना के प्रारंभ (दिसम्बर 2008) से लेकर 2014–15 तक की अवधि समाविष्ट है। निष्पादन लेखापरीक्षा ने 29 राज्यों को सम्मिलित किया। भाग ए तथा भाग बी परियोजनाओं के संदर्भ में, प्रत्येक राज्य में, न्यूनतम 25 परियोजनाओं के अधीन स्वीकृत परियोजनाओं के 25 प्रतिशत के एक नमूने का चयन किया गया था। उन राज्यों में जहां स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या 25 से कम थीं, वहाँ सभी परियोजनाओं को जाँच के लिये चुना गया। कुल मिलाकर, लेखापरीक्षा में 596 भाग ए परियोजनाओं, 570 भाग बी परियोजनाओं तथा 72 एस सी ए डी ए परियोजनाओं की जाँच की गई। राज्य–वार कार्यान्वयन के लिये स्वीकृत तथा लेखापरीक्षा हेतु चयनित परियोजनाओं की संख्या **अनुलग्नक–I व II** में प्रस्तुत की गई है।

2.3 लेखापरीक्षा मापदंड के स्त्रोत

निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षा मापदंड के प्रमुख स्रोत थेः–

- आर– ए पी डी आर पी दिशा–निर्देश;
- विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डी पी आर), चतुष्पक्षीय करार (क्यू ए) तथा राज्य विद्युत बोर्डों (एस ई बी) के साथ समझौता ज्ञापन(एम ओ ए);
- विद्युत अधिनियम, 2003;
- सामान्य वित्तीय नियम, 2005 (जी एफ आर);
- बेसलाईन ए टी एण्ड सी घाटों को ज्ञात करने हेतु पद्धति; तथा
- एम ओ पी, पी एफ सी तथा प्रायोगिकियों में योजना से संबंधित रिकार्ड तथा पत्राचार।

2.4 लेखापरीक्षा पद्धति

मई 2015 में निष्पादन लेखापरीक्षा आरंभ की गई थी। निष्पादन लेखापरीक्षा का प्रारंभ एम ओ पी के साथ मई 2015 में एक उद्घाटन सम्मेलन के साथ हुआ जिसमें नोडल एजेंसी पी एफ सी, के अधिकारी भी उपस्थित थे। उद्घाटन सम्मेलन में लेखापरीक्षा पद्धति, कार्यक्षेत्र, उद्देश्यों तथा मापदंडों पर चर्चा की गई।

एम ओ पी/पी एफ सी राज्यों में एस ई बी/राज्य विद्युत विभागों (एस ई डी) तथा वितरण कम्पनियों (प्रायोगिकियों/डिस्कॉमों) पर लेखापरीक्षा की गई।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का मसौदा एम ओ पी को फरवरी 2016 में जारी किया गया तथा एम ओ पी से उत्तर अप्रैल, 2016 में प्राप्त हुए। मई 2016 में एम ओ पी के साथ एक समापन सम्मेलन किया गया जहां लेखापरीक्षा जांच–परिणामों तथा अनुशंसाओं पर चर्चा की गई। समापन सम्मलेन में पी एफ सी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। राज्य लेखापरीक्षा कार्यालयों ने भी संबंधित प्रायोगिकियों/एस ई बी (प्रायोगिकियों) के साथ उद्घाटन/समापन सम्मेलनों का आयोजन किया।

लेखापरीक्षा, एम ओ पी, पी एफ सी, प्रायोगिकियों तथा/अथवा राज्य सरकारों के अधिकारियों द्वारा इस लेखापरीक्षा के संचालन हेतु प्रदान किये गए सहयोग को अभिस्वीकृत करती है।